अध्यक्ष की कलम से

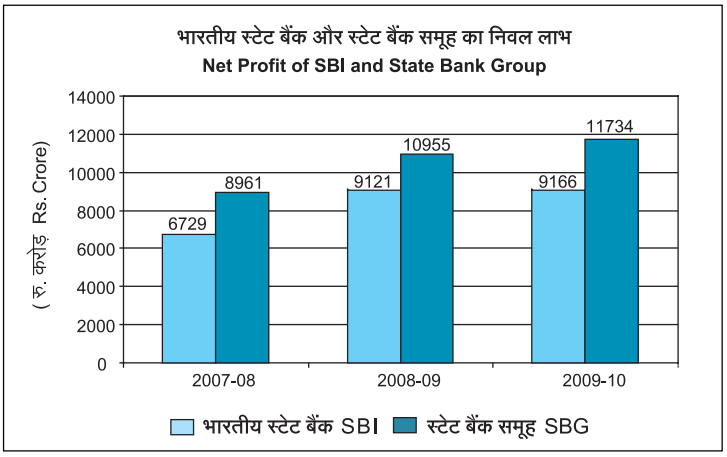

प्रिय शेयरधारको,

मैं आपके बैंक के निष्पादन का ब्योरा चौथी बार प्रस्तुत करते हुए गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूँ। वर्ष 2009-10 की आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट भी भेज रहा हूँ, जिसमें आपके बैंक के इस वर्ष के कुछ महत्वपूर्ण प्रयासों और उपलब्धियों की जानकारी दी गई है।

विश्व की अर्थव्यवस्था जबरदस्त मंदी के दौर से गुजर रही है। पिछले 70 वर्षों में यह अब तक की सबसे बुरी स्थिति है। वित्तीय उथल पुथल, धन-संपत्ति की बड़े पैमाने पर हानि और विश्व स्तर पर उत्पादन और व्यापार में गिरावट थमती नजर नहीं आ रही है। वैश्विक संकट की शुरुआत विकसित देशों के वित्त क्षेत्र से हुई। इसने उत्तरोत्तर जुड़ती जा रही वित्त व्यवस्था के भीतर विद्यमान और अब तक दूर नहीं हो पाई अनेकानेक खामियों को उजागर किया और इसका असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ा। विश्व भर की सरकारों और केंद्रीय बैंकों द्वारा आर्थिक और मौद्रिक क्षेत्र में मिलकर किए गए उपायों के कारण विश्व की आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार होता प्रतीत हो रहा है। हालांकि कुछ देश खास तौर पर अमरीका के अब तक के सबसे विकट वित्तीय संकट से कुछ उबरने के संकेत दिख रहे हैं। विभिन्न देशों के समक्ष उत्पन्न हाल के ऋण संकट ने इस उम्मीद को तोड़ दिया है कि स्थिति सामान्य होनी शुरू हो गई है। बैंकों का लगातार डूबते जाना, बृहत्तर अर्थव्यवस्था का पहले के मुकाबले कमजोर होना, चौतरफा बेरोजगारी और दुबई, पुर्तगाल, आयरलैंड, आइसलैंड, ग्रीस, स्पेन और अन्य देशों की अर्थव्यवस्था को हाल ही में लगे झटकों से पता चलता है कि खतरा अभी पूरी तरह से टला नहीं है। वैश्विक विकास की बेहतर संभावनाओं के बावजूद विश्व दूसरे झटके के प्रति आशंकित है क्योंकि अनेक खतरे और अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं।

इसके विपरीत, भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2010 में जीडीपी की 7.2 प्रतिशत की अच्छी विकास दर की उम्मीद के बीच बढ़ती दिख रही है। इसके वित्त वर्ष 2011 में बढ़कर 8 प्रतिशत से ऊपर और मध्य अवधि में और बढ़कर 9-10 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। निर्माण क्षेत्र में पूंजीगत वस्तुओं और उपभोक्ता वस्तुओं में लगातार वृद्धि तथा औद्योगिक क्षमता बढ़ने के चलते सुधार दिखाई दे रहा है। मुद्रास्फीति भी बढ़ रही है। देश-विदेश की इस विकट आर्थिक स्थिति के कारण भारत में नीति-निर्माताओं के सामने अनेक चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं। इनमें प्रमुख हैं - ब्याज दरों को नीची बनाए रखना क्योंकि ये दुनिया भर की

From the Chairman's Desk

Dear Shareholders,

I feel honoured to present, for the fourth time, details of your Bank's performance and in this connection, your Bank's Annual Report for the year 2009-10 detailing some of the significant initiatives and achievements during the year is enclosed.

The world economy has been through a severe recession, the worst in the last 70 years, marked by financial turmoil, large-scale destruction of wealth, and declines in global output and trade. The global crisis, which began in the financial sector in the developed countries exposed a number of unresolved fragilities within the increasingly integrated financial system and affected the real economy. Global economic conditions appear to have improved on the back of co-ordinated fiscal and monetary policy measures taken by governments and central banks across the world. While some countries especially USA, now seem to be showing some signs of coming out of one of the largest financial crises in history, the recent threat of a sovereign default has tempered the green shoots of optimism that things are beginning to get back to 'normal'. Continuing bank failures, macroeconomic weakness, widespread unemployment and recent tremors in Dubai, Portugal, Ireland, Iceland, Greece, Spain and other countries indicate that the crisis is not yet completely out of fuel. Also, even though the outlook for global growth has improved, the world is wary of a double dip, given the several risks and uncertainties that still persist.

In sharp contrast, the Indian economy is trending up with strong GDP growth expected at 7.2% in FY 2010, rising to over 8% in FY 2011 and moving on to 9-10% in the medium term. The resurgence of manufacturing sector is driven by continuing growth in capital goods and consumer goods, as well as capacity additions across industry. At the same time, inflation has been rising. This complex

ब्याज दरों की तुलना में ऊँची हैं। विकास दर को बनाए रखना और मुद्रास्फीति पर लगाम लगाना भी लगातार देश के समक्ष एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

इस सब को देखते हुए स्टेट बैंक समूह का प्रदर्शन बीते वर्ष में अच्छा रहा। सहयोगी बैंकों के शुद्ध लाभ में 17.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह वित्त वर्ष 2009 के स्तर रु. 2,774 करोड़ से बढ़कर रु. 3,266 करोड़ पर पहुँच गया। सभी सहयोगी बैंकों के परिचालन लाभ में भी 20.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह रु. 5,495 करोड़ से बढ़कर रु. 6,598 करोड़ पर पहुँच गया। स्टेट बैंक समूह का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2010 में रु. 11,734 करोड़ रहा जो वित्त वर्ष 2009 के रु. 10,955 करोड़ से 7.11 प्रतिशत अधिक है।

एसबीआई लाइफ को अपना कारोबार शुरू किए थोड़ा ही समय हुआ है और इसने वित्त वर्ष 2010 में रु. 276 करोड़ का लाभ दर्ज किया जबकि वित्त वर्ष 2009 में उसे रु. 26 करोड़ की हानि उठानी पड़ी थी। कंपनी की प्रबंध अधीन परिसंपत्तियाँ (एयूएम) 31 मार्च 2010 को वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के साथ रु. 28,703 करोड़ के स्तर पर पहुँच गई। एसबीआई लाइफ का गैर-सरकारी बीमाकर्ताओं में बाजार अंश बढ़कर 18.34 प्रतिशत के स्तर पर पहुँच गया जो मार्च 2009 में 16 प्रतिशत था। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. को वित्त वर्ष 2010 के दौरान रु. 150 करोड़ का कर पश्चात लाभ हुआ, जो वित्त वर्ष 2009 में रु. 75 करोड़ था (इसमें रु. 74.98 करोड़ की असाधारण आय शामिल नहीं है)। वर्ष-दर-वर्ष 100 प्रतिशत की यह वृद्धि शुल्क आधारित आय में 73 प्रतिशत की वृद्धि होने के कारण आई। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि एसबीआई कैप्स ने समूहन में रु. 1,00,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया है। हमारी एक अन्य सहायक कंपनी एसबीआई डीएफएचआई लि. ने वर्ष 2010 के दौरान रु. 89 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो बीते छह वर्षों में सबसे ऊँचा स्तर है। एसबीआई कार्ड्स रीडर्स डाइजेस्ट ट्रस्टेड ब्रांड सर्वे 2009 में क्रेडिट कार्ड श्रेणी में निर्विवादित रूप से गोल्ड अवार्ड विजेता होने के कारण सबसे विश्वसनीय ब्रांड के रूप में उभरा। वित्त वर्ष 2010 के दौरान कर पूर्व शुद्ध हानि में 17 प्रतिशत की गिरावट आई और यह रु. 154 करोड़ के स्तर पर आ गई, जो वित्त वर्ष 2009 के दौरान रु. 185 करोड़ के स्तर पर थी।

आप जानते ही हैं कि बीते वर्ष के अंत में हमारे पास रु. 83,991 करोड़ की नकदी अधिशेष थी जिसने हमारी लाभप्रदता को प्रभावित किया। चूंकि ऋण उठाव बहुत कम रहा, हमने स्थिति को समझते हुए उच्च लागत वाली थोक जमाराशियों से दूरी बनाए रखने का निर्णय लिया। आपको यह देखकर प्रसन्नता होगी कि आज के कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले और चुनौतीपूर्ण परिवेश में रु.77,679 करोड़ की उच्च लागत वाली थोक जमाराशियों से दूरी बनाए रखने (-50.15 प्रतिशत) के बावजूद आपके बैंक की जमाराशियाँ वित्त वर्ष 2010 में बढ़कर रु. 62,043 करोड़ के स्तर पर पहुँच गई। यह वृद्धि कासा डिपॉजिट्स में 26.76 प्रतिशत और रिटेल टर्म डिपॉजिट्स में 17.64 प्रतिशत की वृद्धि होने के कारण हुई। इसके चलते बैंक की इन जमाराशियों में वर्ष-दर-वर्ष मात्र 8.36 प्रतिशत की ही वृद्धि हो पाई और इनका स्तर मार्च 2009 के रु. 7,42,073 करोड़ से वित्त वर्ष 2010 में रु. 8,04,116 करोड़ पर ही आ पाया। बचत बैंक जमाराशियों में वित्त वर्ष 2010 के दौरान औसतन रु. 4,897 करोड़ की ही वृद्धि हुई जबकि कासा डिपॉजिट्स में वर्ष के दौरान कुल रु. 73,168 करोड़ की वृद्धि हुई। कुल जमाराशियों में बाजार अंश मार्च 2010 में 16.31 प्रतिशत रहा (मार्च 2009 में 17.70 प्रतिशत रहा था)। इस प्रकार इसमें वर्ष-दर-वर्ष 139 आधार अंकों की गिरावट आई। कम लागत वाली मांग जमाराशियों का बाजार अंश 17.51 प्रतिशत रहा (मार्च 2009 में 17.43 प्रतिशत रहा था) जो पहले की तुलना में 8 आधार अंक ऊपर है।

आपके बैंक के अग्रिमों में रु. 92,940 करोड़ की वृद्धि हुई। ये मार्च 2009 में रु. 5,48,540 करोड़ के स्तर पर थे जिसमें 16.94 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ये मार्च 2010 में रु. 6,41,480 करोड़ के स्तर पर पहुँच गए। मार्च 2010 को अग्रिमों में बैंक का बाजार अंश 16.28 प्रतिशत रहा (मार्च 2009 को 15.99 प्रतिशत था)। इस प्रकार इसमें वर्ष-दर-वर्ष 29 आधार अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। आपके बैंक का ऋण जमा अनुपात मार्च 2010 के अंत में 73.56 प्रतिशत रहा जो मार्च 2009 के अंत में 66.63 प्रतिशत था।

global and domestic economic backdrop has posed its own set of challenges for policymakers in India and maintaining interest rates that are not out of sync with global rates, while supporting the growth momentum and also keeping a check on inflation remains a great challenge for the economy.

Against this background, in the year gone by, the State Bank Group has performed well. Associate Banks' Net Profit increased by 17.74% from Rs.2,774 crores in FY 2009 to Rs.3,266 crores in FY 2010. Operating profit of all Associate Banks increased by 20.08% from Rs.5,495 crores to Rs.6,598 crores. SBI Group Net Profit for FY 2010 at Rs.11,734 crores was up by 7.11% from Rs.10,955 crores in FY 2009.

Within a short span, SBI Life has recorded a profit of Rs.276 crores in FY 2010 as against a loss of Rs.26 crores in FY 2009. AUM of the company as on March 31, 2010 stood at Rs.28,703 crores, a YoY growth of 94%. Market share of SBI Life amongst private insurers increased to 18.34% from 16.00% in March 2009. SBI Capital Markets Ltd has posted a PAT of Rs.150 crores during FY 2010 as against Rs.75 crores in FY 2009 (excluding extraordinary income of Rs.74.98 crores), a YoY growth of 100%, driven by an increase of 73% in fee income. I am happy to place on record that SBI Capital Markets has crossed the milestone of Rs.1,00,000 crores in syndication. Another subsidiary, SBI DFHI Ltd., has recorded a net profit of Rs.89 crores during FY 2010 which is the highest in the last six years. SBI Cards has emerged as the most trusted brand by being the undisputed Gold Award winner in the Reader's Digest Trusted Brands Survey 2009 in the Credit Card category. Net loss before tax during FY 2010 is down by 17% to Rs.154 crores against a loss of Rs.185 crores during FY 2009.

As you are aware, we ended last year with a liquidity surplus of Rs.83,991 crores, causing a drag on our profitability. Since credit off-take was poor, we consciously decided to shed high cost bulk deposits. You will be happy to see that in this competitive and challenging scenario, despite shedding high cost bulk deposits of Rs.77,679 crores (-50.15%), your Bank's deposits went up by Rs.62,043 crores in FY 2010, driven by CASA growth of 26.76% and retail term deposits growth of 17.64%, resulting in a YoY growth of 8.36% in deposits from Rs.7,42,073 crores in March 2009 to Rs.8,04,116 crores in March 2010. Savings Bank deposits grew at an average of Rs.4,897 crores per month during FY 2010, total CASA growth during the year being Rs.73,168 crores. While market share in deposits in March 2010 at 16.31% (17.70% in March 2009), declined by 139 bps YoY, market share in low cost demand deposits at 17.51% (17.43% in March 2009) was up by 8 bps.

Gross Advances of your Bank rose by Rs.92,940 crores, a growth of 16.94% from Rs.5,48,540 crores in March 2009 to Rs.6,41,480 crores in March 2010. Market share in advances in March 2010 at 16.28% (15.99% in March 2009) registered an increase of 29 bps YoY. Your Bank registered an impressive rise in Credit Deposit Ratio to 73.56% as at the end of March 2010 from 66.63% at the end of March 2009, an increase of 693 bps, bucking the industry trend as the credit deposit ratio for ASCB has come down from 72.32% in March 2009 to 72.22% in March 2010.

C13 K13

इस प्रकार इसमें 693 आधार अंकों की वृद्धि हुई। यह वृद्धि उद्योग के आंकड़ों के बिलकुल विपरीत है। सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का ऋण जमा अनुपात मार्च 2009 के स्तर 72.32 प्रतिशत से गिरकर मार्च 2010 में 72.22 प्रतिशत पर आ गया था।

आपके बैंक की विवेकपूर्ण नीतियों के कारण हमारी विकास दर संतुलित रही है क्योंकि हम देश में अलग अलग क्षेत्रों को ऋण उपलब्ध करा रहे हैं। बड़े और मझौले कारपोरेट अग्रिम मार्च 2009 के स्तर रु. 1,93,351 करोड़ से 14.76 प्रतिशत बढ़कर मार्च 2010 में रु. 2,21,892 करोड़ पर पहुँच गए। आपका बैंक रिटेल ऋणों में वित्त वर्ष 2009 में अव्वल रहा था और वित्त वर्ष 2010 में भी अव्वल ही है। यह स्थान गृह, वाहन और शिक्षा ऋणों में हुई जबरदस्त वृद्धि के कारण हासिल किया गया है।

होम लोन्स में मार्च 2009 के स्तर रु. 54,063 करोड़ में वर्ष-दर-वर्ष 31.68 प्रतिशत की वृद्धि हुई और मार्च 2010 में ये रु. 71,193 करोड़ के स्तर पर पहुँच गए। ग्रामीण, अर्ध-शहरी और शहरी क्षेत्रों में हमारे लगभग 95 प्रतिशत ग्राहकों ने पहली बार घर खरीदा है। एसबीआई होम लोन्स भारत का नंबर वन होम लोन ब्रांड है। इसने भारत में 'सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले लोन' में अपना स्थान बरकरार रखा है और सीएनबीसी-आवाज कंज्यूमर अवार्ड्स में वर्ष 2006 के बाद लगातार चार वर्षों से इसे यह मुकाम हासिल है। एसबीआई होम लोन्स को एनडीटीवी-आउटलुक मनी अवार्ड्स में गणमान्य सदस्यों वाली एक ज्यूरी ने वर्ष 2008 के बाद लगातार भारत में 'सर्वश्रेष्ठ होम लोन' चुना है।

वाहन ऋणों में मार्च 2009 और मार्च 2010 के बीच वर्ष-दर-वर्ष 45.44 प्रतिशत और शिक्षा ऋणों में 34.61 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आपका बैंक वाहन ऋणों में बाजार में सबसे आगे है। बैंक ने वाहन ऋणों में बाजार में अपनी हिस्सेदारी में 180 आधार अंकों का इजाफा किया है। ये मार्च 2009 में 15 प्रतिशत थे जो मार्च 2010 में 16.80 प्रतिशत पर पहुँच गए। बैंक अखिल भारतीय स्तर पर मारुति कारों के वित्तपोषण में लगातार दो वर्षों से नंबर वन बना हुआ है और इसने शेवरलेट, हुंडई, टाटा मोटर्स और हौंडा सिएल जैसे प्रमुख ब्रांडों में बाजार में अपनी पैठ बढ़ाई है। वर्तमान में आपका बैंक शिक्षा ऋणों में बाजार में सबसे आगे है और सरकारी क्षेत्र के बैंकों में बाजार में इसकी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। बैंक का इसमें अटूट विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भारत का भविष्य और भारत के युवा भारत की पहचान होंगे।

कृषि अग्रिमों में मार्च 2009 और मार्च 2010 के बीच 16.54 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2010 के दौरान कुल रु. 34,179 करोड़ के कृषि अग्रिम संवितरित किए गए और वर्ष के दौरान 12.32 लाख नए किसानों को ऋण दिए गए। रुपये में तेजी के बावजूद अंतरराष्ट्रीय अग्रिमों में मार्च 2009 के स्तर रु. 86,301 करोड़ में 12.49 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ये रु. 97,071 करोड़ पर पहुँच गए।

ऋणों में वृद्धि के साथ-साथ आपके बैंक द्वारा आस्ति गुणवत्ता बढ़ाने के लिए किए गए सुविचारित प्रयासों के अच्छे परिणाम मिले। आर्थिक धीमेपन के कारण कुल एनपीए मार्च 2009 के स्तर 2.86 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर 2009 में 3.11 प्रतिशत हो गए थे जिन पर अंकुश लगाया गया और ये मार्च 2010 में गिरकर 3.05 प्रतिशत रह गए। इस अवधि के दौरान शुद्ध एनपीए 1.79 प्रतिशत से बढ़कर 1.88 प्रतिशत हो गए थे, पर बाद में ये गिरकर 1.72 प्रतिशत रह गए।

आपके बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 9 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी ऊपर है। बेसल-II के अनुसार आपके बैंक का जोखिम भारित परिसंपत्ति की तुलना में पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) मार्च 2010 के अंत में 13.39 प्रतिशत पर रहा, जो बीते वर्ष 14.25 प्रतिशत था। बेसल-I के अनुसार मार्च 2010 में सीआरएआर 12.00 प्रतिशत और टियर-I पूंजी 8.46 प्रतिशत पर थी।

परिचालन खर्च वित्त वर्ष 2009 की तुलना में वित्त वर्ष 2010 में 29.84 प्रतिशत ऊपर रहे। ऐसा पांच प्रमुख कारणों से हुआ जैसे कि बैंक द्वारा भावी विकास की नींव तैयार करने पर बड़े पैमाने पर निवेश किया गया। ये कारण हैं - (i) विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों की संख्या में एकदम से वृद्धि होना जिसका असर

Your Bank's prudent lending policies have ensured balanced growth, with credit flowing across a wide range of sectors in the economy. Large and Mid Corporate advances have grown from Rs.1,93,351 crores in March 2009 to Rs.2,21,892 crores in March 2010, registering a growth of 14.76%. Your Bank was No.1 in retail lending in FY 2009 and continues to be No.1 in FY 2010, driven by robust growth in Home, Auto and Education loans.

Home loans grew by 31.68% YoY from a level of Rs.54,063 crores in March 2009 to Rs.71,193 crores in March 2010. Almost 95% of our customers (in rural, semi urban and urban areas) are first time home buyers. SBI Home Loans is India's No.1 Home Loan brand. It has maintained its position as India's "Most Preferred Home Loan" brand in CNBC-Awaaz consumer awards continuously for four years since 2006. SBI Home Loans has been rated as "The Best Home Loan" in India by the panel of eminent jury in NDTV-Outlook Money awards continuously since 2008.

Auto Loans went up by 45.44% YoY and Education Loans grew by 34.61% between March 2009 and March 2010. Your Bank remains a leader in Auto loans with its market share in Auto loans going up by 180 bps from 15% in March 2009 to 16.80% in March 2010. The Bank continues to be number one in financing Maruti cars pan India for two consecutive years in a row and has increased its presence in the market with higher penetration in the major brands like Chevrolet, Hyundai, Tata Motors and Honda Siel cars. Currently, your Bank is the market leader in Education Loans with a market share of 25% amongst PSU banks underpinning its belief in the future of India and that the youth will be the face of India in the coming years.

Agriculture advances have grown by 16.54% between March 2009 and March 2010 and total disbursements under Agri Advances were Rs.34,179 crores during FY 2010, covering 12.32 lakh new farmers during the year. International advances increased by 12.49% from Rs.86,301 crores in March 2009 to Rs.97,071 crores in March 2010 despite hardening of the rupee.

Along with increase in credit, your Bank's conscious efforts to improve asset quality have borne fruit. The economic slowdown led to a rise in Gross NPAs from 2.86% in March 2009 to 3.11% in December 2009, but the same has been contained and declined to 3.05% by March 2010. During this period, Net NPAs rose from 1.79% to 1.88% but declined to 1.72%.

Your Bank's capital adequacy is well above the 9% norm stipulated by RBI. As per Basel II the CRAR of your Bank stood at 13.39% as at the end of March 2010, compared to 14.25% last year. As per Basel I the CRAR was 12.00% and Tier I was 8.46% as on March 2010.

Operating Expenses were up by 29.84% in FY 2010 over FY 2009, driven by five key costs, as the Bank invested heavily in laying the foundation for future growth: (i) sharp increase in number of employees in various categories, the full impact of which on staff expenses was felt during FY 2010; (ii) Rs.627 crores arrears for wage revision pertaining to previous years provided during FY 2010; (iii) Additional contribution for pension at Rs.1998 crores against Rs.1,469 crores

वित्त वर्ष 2010 के दौरान हुए स्टाफ खर्च पर दिखाई दिया; (ii) वेतन संशोधन संबंधी रु. 627 करोड़ की विगत वर्षों की बकाया राशियां जिनके लिए वित्त वर्ष 2010 के दौरान प्रावधान किया गया; (iii) पेंशन के लिए रु. 1,998 करोड़ का अतिरिक्त अंशदान करना पड़ा जबकि बीते वर्ष यह रु. 1,469 करोड़ था; (iv) वित्तीय समावेशन पर रु. 59 करोड़ का अतिरिक्त खर्च करना पड़ा और (v) वर्ष के दौरान 1,049 नई शाखाएं खोलने और 7,788 नए एटीएम स्थापित करने पर रु. 347 करोड़ खर्च करने पड़े। इनमें अधिकांश वर्ष की आखिरी तिमाही के लाभ को कम कर गए। इसलिए चौथी तिमाही में हमारे लाभ में रु.875.69 करोड़ या 31.93 प्रतिशत की कमी आई और वर्ष का लाभ रु. 9166.05 करोड़ के स्तर पर लगभग यथावत बना रहा।

आपका बैंक ग्राहकों के प्रति समर्पित रहा और अपने ग्राहकों की विभिन्न प्रकार की अपेक्षाओं की पूर्ति करने के लिए अनेक नई पहल की। जैसा कि आप जानते हैं, गत चार वर्षों से आपका बैंक विकास के नए अवसर तलाश रहा है और संबंधित क्षेत्रों में अपनी पैठ बनाने में सफल रहा है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपका बैंक इस दिशा में अथक प्रयास करता रहा है और वर्ष 2009-10 के दौरान अनेक नई पहल की। मोबाइल बैंकिंग सेवाएं 31.03.2009 को शुरू की गई थी, वित्त वर्ष 2010 के दौरान सभी शाखाओं में उपलब्ध करा दी गई। आज 2,18,000 से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हो गए हैं। वित्तीय आयोजना और धन-संपदा प्रबंधन सेवा शुरू कर दी गई है और वित्तीय आयोजना और परामर्श सेवाएं बैंक की 924 शाखाओं में उपलब्ध करा दी गई है। व्यापार अधिग्रहण व्यवसाय चुनिंदा आधार पर शुरू किया गया है और लगभग 200 बिक्री केंद्र टर्मिनल स्थापित किए गए हैं। आपके बैंक के अनुमानत: 1.50 लाख बिक्री केंद्र टर्मिनल स्थापित किए जाने हैं और वर्ष के दौरान आनलाइन खरीद के लिए 100 से अधिक व्यापारियों का पंजीकरण किया जाता है। आपके बैंक द्वारा वीजा इंटरनेशनल और इलावन की संघीय व्यवस्था एक संयुक्त उद्यम के रूप में चुनी गई है जिसके द्वारा 6 लाख बिक्री केंद्र टर्मिनल स्थापित किए जाने का लक्ष्य है। एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्युरिटीज सर्विसेज प्रा. लि. ने मार्च 2010 से कारोबार शुरू कर दिया है। यह कंपनी समाधान, डिपॉजिटरी सेवाएं, सुरक्षित अभिरक्षा, कारपोरेट एक्शन, कोष लेखाकरण आदि कसटोडियल सेवाएं उपलब्ध कराती है। आपके बैंक ने एसबीआई साधारण बीमा कंपनी स्थापित की है और मार्च 2010 में कुछ सीमित मात्रा में वाणिज्यिक कारोबार शुरू किया जा चुका है। अगस्त 2010 तक कंपनी सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित कारोबार अखिल भारतीय स्तर पर करने के लिए तैयार हो जाएगी।

देश के प्रमुख वित्तीय समूह के रूप में आपका बैंक अखिल भारतीय स्तर पर ग्राहकों को वित्तीय संसाधन और सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। आपके बैंक को ग्लोबल वार्मिंग के मुद्दे पर भी एक भूमिका निभानी है। आपके बैंक की ग्रीन बैंकिंग नीति का लक्ष्य भी बैंक के अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करना और ग्राहकों को भी कम कार्बन उत्सर्जन करने के उपायों को अपनाने के प्रति संवेदनशील बनाना है। पूरे बैंकिंग, वित्त और बीमा क्षेत्र में यह इस प्रकार का पहला ही प्रयास है, आपके बैंक ने नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन की योजना बनाई है और बैंक के अपने उपयोग के लिए पवनचक्कियां लगाने का निश्चय किया है जिससे बिजली उत्पादन से होने वाले प्रदूषण पर अंकुश लगा प्रदूषणमुक्त बिजली उत्पादन किया जा सके। इसके अलावा बिजली बचाने वाली प्रकाश व्यवस्था अपनाने, बिजली बचाने वाले उपकरण लगाने, पानी बचाने की व्यवस्था, कचरे के निपटान, वृक्षारोपण जैसे अनेक उपाय शुरू किए हैं।

वित्त वर्ष 2009-10 के दौरान खोली गई 1,049 शाखाओं में से 354 शाखाएं महानगरीय और शहरी क्षेत्रों में खोली गई थी जिससे अपनी पहुंच बढ़ाई जा सके और ग्राहकों के अधिकाधिक निकट पहुँचा जा सके। मार्च 2010 के अंत में बैंक की 12,496 शाखाएं और समूह के 21,485 एटीएम थे। देश भर में बैंकिंग सुविधाएं जन जन तक पहुँचाने के अपने प्रयासों के अंतर्गत आपके बैंक ने 12 जुलाई 2009 को 154 नई शाखाएं और 1,540 नए एटीएम खोले जो विश्व भर में किसी भी बैंक द्वारा कहीं भी खोली गई शाखाओं और एटीएमों में सर्वाधिक हैं। इनका उद्घाटन माननीय वित्त मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा किया गया। इसके अलावा वर्ष की 1000वीं नई एसबीआई शाखा और समूह के 10,000वें एटीएम का उद्घाटन सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया।

last year; (iv) Additional expenses of Rs.59 crores on Financial Inclusion; and (v) An expenditure of Rs.347 crores incurred on opening of 1,049 new branches and installing 7,788 new ATMs during the year. Bulk of these got back ended to the last quarter of the year. Our profits for Q4, therefore, went down by Rs.875.69 crores or 31.93% and the profit for the year remained flat at Rs.9166.05 crores.

Your Bank remains committed to the customer and has taken several new initiatives to expand the bouquet of choices for its customers. As you are aware, over the last four years, your Bank has been seeking out new growth opportunities and has successfully forayed into related areas. I am happy to announce that your Bank has tirelessly persevered in this direction and several new initiatives were launched during 2009-10. Mobile Banking Services launched on 31.03.2009, have been extended to all branches during FY 2010. There are more than 2,18,000 registered users on date. Financial Planning & Wealth Management application has gone live and Financial Planning & Advisory Services have been rolled out in 924 branches across the Bank. Merchant Acquiring business has commenced on select basis and around 200 PoS terminals have been deployed. Your Bank is expected to deploy 1.50 lac PoS terminals and enrol over 100 merchants for online purchases during the year. Your Bank has selected a consortium of Visa International and Elavon for a joint venture, which aims to set up 6 lac PoS terminals. SBI-SG Global Securities Services Pvt Ltd. has commenced operations in March 2010, which provides Custodial Services comprising Settlement, Depository Services, Safekeeping, Corporate Action, Fund Accounting etc. Your Bank has established SBI General Insurance Co. and limited commercial operations have been launched in March 2010. By August 2010, the Company would be ready for pan India operations with IT backed support.

As the Country's Premier Financial Conglomerate providing financial resources and services to clients pan India, your Bank has a role to play in addressing the issue of global warming. Your Bank's Green Banking policy aims to reduce the Bank's own carbon footprint and to sensitise its clients to adopt low carbon emission practices. First of its kind in the entire Banking, Finance and Insurance Sector (BFIS), your Bank has conceptualised generation of energy through renewable energy resources and therefore, resolved to install windmills for the Bank's captive use with a view to substitute polluting power with green power besides initiating several measures like switching over to energy efficient lighting systems, installation of energy savers, efficient water management systems, waste disposal, tree plantation, etc.

Out of 1,049 branches opened during the financial year 2009-10, 354 branches were opened in metro and urban areas with a view to increase our reach and be more accessible to customers. As at the end of March 2010, the Bank had 12,496 branches and 21,485 Group ATMs. As part of our endeavour to provide increased access to banking facilities across the country, your Bank simultaneously opened 154 branches and 1,540 new ATMs on 12th July 2009, the largest by any Bank, anywhere in the world, and the countrywide inauguration was done by the Hon'ble Finance Minister, Shri Pranab Mukherjee. Further, the 1000th new SBI branch and 10,000th new group ATM of the year were inaugurated by the Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, Govt. of India.

बैंक को एक आधुनिक रूप और पहचान देने की आवश्यकता को देखते हुए ग्राहकों को कभी भी कहीं भी झंझटरहित बैंकिंग उपलब्ध कराने वाले एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसे वैकल्पिक बैंकिंग माध्यमों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। स्टेट बैंक समूह के 31 मार्च 2010 को भारत भर में कुल 21,485 एटीएम थे जिनमें से 16,294 एटीएम भारतीय स्टेट बैंक के अपने हैं। एटीएमों की संख्या बढ़ने से बैंक द्वारा जारी डेबिट कार्डों की संख्या में भी भी वृद्धि हुई। इनमें वर्ष के दौरान 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

माइक्रो फाइनेंस एवं वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में आपका बैंक सबसे आगे है। स्वयं सहायता समूह-बैंक ऋणान्वयन कार्यक्रम में बैंक का बाजार अंश लगभग 31 प्रतिशत है। बैंक ने अब तक 17.13 लाख स्वयं सहायता समूहों के साथ ऋणान्वयन में सहभागिता की और यह रु. 11,562 करोड़ की राशि के ऋण संवितरित कर चुका है। बैंक ने स्वयं सहायता समूह क्रेडिट कार्ड और स्वयं सहायता समूह सहयोग निवास और स्वयं सहायता समूह गोल्ड कार्ड जैसे अनेक अतुलनीय उत्पाद शुरू किए हैं। स्वयं सहायता समूहों को आगे उधार देने के लिए गैर-सरकारी संगठनों/माइक्रो फाइनेंस संस्थाओं को वित्त उपलब्ध कराने हेतु एक नई योजना शुरू की है। 'ग्रामीण शक्ति' के नाम से एक छोटा बीमा उत्पाद शुरू किया गया है। आपके बैंक को डन एंड ब्राडस्ट्रीट द्वारा ग्रामीण पहुंच के लिए सरकारी क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ बैंक के रूप में पुरस्कृत किया गया है। बैंक को एशियन बैंकर द्वारा एशिया प्रशांत, खाड़ी और मध्य एशिया क्षेत्रों में वित्तीय संस्थाओं में वर्ष 2009 के लिए सर्वश्रेष्ठ माइक्रो फाइनेंस पुरस्कार दिया गया है। बैंकिंग सेवाओं की परिधि में लाए गए बैंकिंग सुविधा रहित गांवों की संख्या मार्च 2009 में 53,000 थी जो मार्च 2010 में बढ़कर 1,03,938 तक पहुंच गई।

बैंकिंग सेवा से वंचित सामान्य नागरिकों को एसबीआई टाइनी कार्ड के साथ कम से कम लागत पर बैंकिंग सेवा प्रदान करने में प्लेटफार्म, समाधान, परिचालन संबंधी जानकारी और सेवा की गुणवत्ता के मामले में सामान्य से कहीं अधिक आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है। आपके बैंक ने कियो बैंकिंग की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत बायोमीट्रिक पहचान करने के पश्चात इंटरनेट आधारित बैंकिंग केंद्र पर लेनदेन किया जा सकता है और आनलाइन / तत्काल लेनदेन करने के लिए सहायता उपलब्ध रहती है। यह सेवा 7 राज्यों और 49 जिलों के अंतर्गत 7 मंडलों में शुरू की गई है। एसआरईआई सहज, 3-i इन्फोटेक जैसी प्रमुख सेवा केंद्र एजेंसियों को व्यवसाय प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है। बैंक द्वारा 26,800 ग्राहक सेवा केंद्र / व्यवसाय प्रतिनिधि / व्यवसाय सहयोगी बिक्री केंद्र स्थापित किए गए हैं। राष्ट्रीय स्तर के कुछ व्यवसाय प्रतिनिधियों/व्यवसाय सहयोगियों में भारतीय डाक, आईटीसी, नैशनल बल्क हैंडलिंग कारपोरेशन और रिलायंस डेरी भी हैं। अपनी शाखा स्तरीय पहुंच बढ़ाने के लिए बैंक ने वित्त वर्ष 2009-10 के दौरान ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लगभग 695 नई शाखाएं खोली हैं और प्रक्रिया क्षमता बढ़ाने के लिए 314 ग्रामीण केंद्रीय प्रक्रिया केंद्र स्थापित किए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आपके बैंक ने सीबीएस कार्यान्वयन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। आपका सीबीएस विश्व के सबसे बड़े नेटवर्कों में से एक है। आपके बैंक ने एक सुरक्षित, मजबूत और बृहद वैन तंत्र को कार्यान्वित किया है, जिससे 18,189 शाखाएं/कार्यालय और स्टेट बैंक समूह के 21,485 एटीएम लीज लाइनों, वीसैट और सीडीएमए टेक्नोलॉजी के जरिये जुड़े हैं और इसके अंतर्गत सभी महत्वपूर्ण कारोबारी सेवाओं को इससे जोड़ दिया गया है। इससे अनेक महत्वपूर्ण कार्य जैसे रक्षा वेतन सुविधा, एएसबीए, यूनिवर्सल पासबुक आदि आसानी से संपन्न होने लगे हैं और इससे सरकार, कारपोरेट और व्यक्तिगत ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिल रही है। वरिष्ठ नागरिकों की आवश्यकताओं को देखते हुए संपर्क केंद्र पर एक पेंशन प्रबंध व्यवस्था लागू की गई है जिससे पेंशनर अपनी पेंशन की जानकारी संपर्क केंद्र से प्राप्त कर पाएंगे। अनेक प्रकार की मोबाइल बैंकिंग सेवाएं जैसे पैसा ट्रांस्फर कराना, जानकारी प्राप्त करना, चैक बुक के लिए अनुरोध करना, बिलों का भुगतान करना मोबाइल टॉप अप, डीटीएच सेवाओं को रीचार्ज कराना, डीमैट खाते की जानकारी प्राप्त करना मोबाइल बैंकिंग के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई हैं।

The need to give the Bank a modern look and feel was necessary and hence, special focus was placed on alternate banking channels such as ATMs, Internet Banking and Mobile Banking which offer customers hassle free banking anytime anywhere. The State Bank Group has a total of 21,485 ATMs across India as on 31st March 2010 of which 16,294 ATMs are of the State Bank of India alone. Along with an increase in number of ATMs, there has also been an increase in the number of debit cards issued by the Bank, which rose by more than 40% during the year.

In the area of Micro Finance and Financial Inclusion, your Bank remains the market leader with market share of around 31% in SHG-Bank Credit Linkage programme having credit linked so far 17.13 lakh SHGs and disbursed loans to the extent of Rs.11,562 crores. Your Bank has rolled out several unique products like SHG Credit Card, SHG Sahayog Niwas and SHG Gold Card, a new scheme for financing NGOs/ MFIs for on-leading to SHGs, a Micro Insurance product - Grameen-Shakti has been rolled out which has covered one million lives by March 2010. Your Bank has been rated as the Best Public Sector Bank for Rural Reach by Dun and Bradstreet and has been awarded the Best Microfinance Award for the year 2009 by the Asian Banker for financial institutions across the Asia Pacific, Gulf and Central Asia regions. Coverage of unbanked villages increased from 53,000 in March 2009 to 1,03,938 by March 2010.

Your Bank has gone beyond the usual domains of technology in terms of platform, solution, operational details and service content in a very aggressive manner to serve the excluded common citizen with minimal costs including SBI Tiny Card. Your Bank has rolled out Kiosk Banking, operated at internet enabled PC (Kiosk) with bio-metric validation, in 7 Circles across 7 States and 49 districts. Major Service Centre Agencies (SCAs) like SREI Sahaj, 3-i Infotech have been engaged as Business Correspondents besides appointing about 26,800 Customer Service Point (CSP)/ outlets of Business Correspondents / Business Facilitators (BC/BFs). Some of the national level BC/BFs are India Post, ITC, National Bulk Handling Corporation and Reliance Dairy. To increase its outreach, the Bank has opened about 695 new branches in rural and semi urban areas during 2009-10. To improve the processing capacity, 314 Rural Central Processing Centres (RCPCs) have been set up.

In the area of Information technology, your Bank successfully completed CBS implementation which is among the world's largest. Your Bank has implemented a secure, robust and scalable WAN architecture connecting 18,189 Branches/Offices and 21,485 ATMs of State Bank Group through leased lines, VSATs and CDMA technology, supporting all critical business applications. This has facilitated successful launch of many important functionalities, such as, Defence Salary Package, ASBA, Universal Passbook etc. to meet specific requirements of Government, Corporate and individual customers. Keeping in view the requirement of senior citizens, a Pension Management System has been introduced at Contact Centre enabling the pensioners to make enquiry on their pension details through Contact Centre. A host of Mobile Banking services, such as funds transfers, enquiries, cheque book requests, bill payments, Mobile Top-up, recharging of DTH services, Demat account enquiry are currently being offered under mobile banking.

आपका बैंक केवल अपना कारोबार बढ़ाने में ही संलग्न नहीं है, समाज कल्याण के लिए भी प्रयास कर रहा है। अनेक प्रकार के सामाजिक-आर्थिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संबंधी प्रयासों में हाथ बँटा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रशासन और जीवन स्तर के लिए आपके बैंक ने म्युनिसिपल कारपोरेशन आफ ग्रेटर मुंबई के सहयोग से म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा संचालित 1300 स्कूलों में शिक्षा और शैक्षणिक सुविधाओं में सुधार लाने और बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए एक परियोजना शुरू की है। बैंक ने इस परियोजना को एक भागीदार के रूप में 2 वर्ष की अवधि के लिए सहायता प्रदान करने की खातिर करार किया है ताकि यह परियोजना देश भर में एक आदर्श प्रस्तुत कर सके।

महानगरीय/शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण भारत में हमारे युवाओं के बीच बढ़ती खाई को भरा जा सके, इसके लिए आपके बैंक ने 'एसबीआई इंडीकॉर्प्स' नामक एक स्वयंसेवी कार्यक्रम यूएस पीस कॉर्प्स की तर्ज पर तैयार किया है जिससे कॉलेजों/संस्थानों से निकलने वाले ग्रेजुएट्स को गांव में रहने और प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठनों द्वारा चलाई जा रही विकास परियोजनाओं पर कार्य करने का एक अवसर मिले।

यह देखकर संतोष होता है कि हमारे प्रयासों को सराहा गया है। अनेकानेक अवार्डों की प्राप्ति इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। हमारे बैंक को दि बैंकर पत्रिका द्वारा लगातार दूसरे वर्ष 'भारत में सर्वश्रेष्ठ बैंक - 2009' का अवार्ड दिया गया, बिजनेस वर्ल्ड के सर्वश्रेष्ठ बैंक अवार्ड 2009 में 'बड़े बैंकों में सर्वश्रेष्ठ बैंक' और 'समाज के प्रति सबसे जिम्मेदार बैंक' का अवार्ड; बिजनेस इंडिया द्वारा 'वर्ष 2009 के सर्वश्रेष्ठ बैंक' का अवार्ड; इकनॉमिक टाइम्स, ब्रांड ईक्विटी द्वारा 'सर्वाधिक विश्वसनीय ब्रांड' घोषित किया गया; सीएनबीसी आवाज कंज्यूमर अवार्ड्स श्रेणी में वर्ष 2009 में 'सबसे पसंदीदा बैंक', 'सबसे पसंदीदा क्रेडिट कार्ड' और 'सबसे पसंदीदा होम लोन ब्रांड' के अवार्ड जीते; फाइनेंशियल इनफर्मेशन नेटवर्क एंड ऑपरेशंस लि. (फिनो) द्वारा वर्ष 2009 के लिए वित्तीय समावेशन में सर्वश्रेष्ठ दूरद्रष्टा का अवार्ड; आईबीए बैंकिंग टेक्नोलॉजी अवार्ड्स 2009 श्रेणी में बैंकिंग टेक्नोलॉजी में शानदार उपलब्धियॉ हासिल करने पर 'टेक्नोलॉजी के लिए वर्ष के सर्वश्रेष्ठ बैंक' का अवार्ड और गोल्डन पीकॉक अवार्ड्स ज्यूरी द्वारा वर्ष 2009 के लिए गोल्डन पीकॉक नेशनल ट्रेनिंग अवार्ड का विजेता चुना गया।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक के निदेशक बोर्ड ने 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए रु. 30 प्रति शेयर के (@300%) लाभांश की घोषणा की है जिसमें पहले दिया जा चुका रु. 10 प्रति शेयर (@100%) का अंतरिम लाभांश भी शामिल है।

आज भारत विश्व के सबसे तेज गति से बढ़ रहे देशों में शामिल है और आने वाले वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में और बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। आपका बैंक इसे एक अवसर और चुनौती के रूप में देखता है। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि बैंक इनसे लाभ उठाने के लिए प्रयास करेगा और भविष्य में विकास का एक नया सिलसिला शुरू करेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

आपका,

(ओम प्रकाश भट्ट)

Your Bank is involved not only with business development but also with care for the community and supports a range of socio-economic, educational and health initiatives. In the field of education, for better governance and standards, your Bank, in partnership with the Municipal Corporation of Greater Mumbai (MCGM), has launched a project to transform and upgrade the outcome of education and educational infrastructure in 1300 schools run by the Municipal Corporation. The Bank has agreed to support this project as a partner for a period of 2 years as this project may evolve as a model for replication across the country.

To bridge the widening gulf between our youth in Metro/Urban areas and Rural India, your Bank has drawn up a programme named "SBI Indicorps", a volunteer programme on the lines of the US Peace Corps, which would give fresh graduates from colleges/institutions an opportunity to live in villages and work on development projects with reputed NGOs.

It is gratifying that our efforts have received recognition and the spate of awards is ample testimony to this fact. Among the awards, your Bank was adjudged Bank of The Year 2009, India by The Banker Magazine for the second year in succession; Awarded "Best Bank - Large", and "Most Socially Responsible Bank" from Business World Best Bank Awards 2009; Bagged the BEST BANK 2009 Award by Business India; Adjudged the Most Trusted Brand 2009 - Economic Times, Brand Equity; Bagged the awards for "Most Preferred Bank", "Most Preferred Credit Card' and "Most Preferred Home Loan Brand" from CNBC AWAAZ Consumer Awards; Awarded Visionaries of Financial Inclusion - Year 2009 by Financial Information Network & Operations Ltd. (FINO); Awarded Technology Bank of the Year in recognition of outstanding achievements in banking technology - IBA Banking Technology Awards 2009 and selected as the winner of Golden Peacock National Training Award for the year 2009 by the Golden Peacock Awards Jury.

I am happy to announce that the Board of Directors of your Bank has declared a dividend of Rs 30 per share (@300%) for the year ended 31st March 2010, inclusive of an interim dividend already paid of Rs 10 per share (@100%).

Today, India remains among the fastest growing countries of the world and is poised to play a greater role in the global economy in the years to come. Your Bank sees this as an opportunity and a challenge and I assure you that your Bank will try to capitalize on this and blaze a new trail of growth in future.

With warm regards,

Yours sincerely,

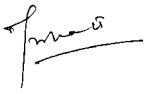

(OM PRAKASH BHATT)